खबर संक्षेप

गंभीर मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के सख्त निर्देशों के तहत गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में जैतपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गंभीर अपराध में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। जैतपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी द्वारा एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी मदद से फरार आरोपियों की तलाश में उनके ठिकानों पर लगातार दबिश दी। गत सत्ताईस अक्टूबर को मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए छानबीन शुरू की। 28 अक्टूबर को पुलिस ने घेराबंदी कर मुख्य आरोपी जीवनलाल पनिका पिता समयलाल पनिका, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम साखी को उसके घर से धर दबोचा। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उनतीस अक्टूबर को आरोपी को बापर्दा न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है, जहां से उसे आगे की न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेजा गया है।

शहडोल में कांग्रेस सेवादल ने पेश की अनूठी मिसाल

इंदिरा गांधी और सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ विशाल रक्तदान शिविर

शहडोल। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के बलिदान दिवस व पुण्यतिथि के अवसर पर शहडोल जिले में मानवता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में जिला अस्पताल परिसर में एक भव्य और विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मानवीय पहल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की कमी को दूर करना और समाज में स्वेच्छा से रक्तदान करने की अलख जगाना था। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के विशेष मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ किया गया। शिविर को लेकर रक्तदाताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आया। सुबह से ही कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए थे।

चंद बूंदें बचा सकती हैं किसी की सांसें

शिविर के दौरान वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। आपके द्वारा दान किया गया रक्त किसी बुझते हुए घर को रोशन कर सकता है और किसी की सू सूनी गोद को फिर से बसा सकता है। शिविर में युवाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और यह संदेश दिया कि संकट के समय में मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस दौरान जिला अस्पताल के रक्तकोष (ब्लड बैंक) की टीम ने पूरी सतर्कता और चिकित्सीय देखरेख में रक्त संग्रहण का कार्य संपन्न किया।

प्रमुख लोगों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन और संयोजन जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष प्रमोद जैन एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्षों की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस संगठन के तमाम पदाधिकारी, सेवादल के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके इस सराहनीय कदम की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। प्रशासनिक और चिकित्सा अधिकारियों ने भी सेवादल की इस पहल को समाज के लिए बेहद उपयोगी बताया है।

इंदिरा गांधी महाविद्यालय में 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' संपन्न

साइबर सुरक्षा और कानूनी अधिकारों पर खुलकर हुई चर्चा, छात्राओं ने पूछे सवाल

शहडोल।

युवाओं में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पुलिस प्रशासन के साथ उनके संबंधों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से शहर के प्रतिष्ठित शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार को 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान के निर्देशन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य फोकस बालिकाओं और युवतियों को आत्मसुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा उनके संवैधानिक अधिकारों से अवगत कराना रहा।



गणमान्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सक्सेना के आतिथ्य के साथ हुआ। इस अवसर पर पुलिस विभाग से उप पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी, अजाक थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी, महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक वर्षा बैगा और साइबर सेल के केशव धाकड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी आई.बी. सिंह ने किया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. प्रमिला वास्केल ने किया।

साइबर ठगी और सोशल मीडिया के खतरों से किया आगाह

कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल से आए केशव धाकड़ ने आज के डिजिटल युग में युवतियों के सामने आने



वाली तकनीकी चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, फिशिंग लिंक्स और वित्तीय घोटालों के तौर-तरीकों से छात्राओं को रूबरू कराया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में समझाया कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से बचना चाहिए और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या ओटीपी साझा करने से पूरी तरह परहेज करना चाहिए।



कानूनी प्रावधानों और महिला सुरक्षा के तौर-तरीकों पर चर्चा

उप पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी ने बेहद सरल और संवाद शैली में छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता और महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में बेटियां बिना किसी झिझक के पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही, थानों में शिकायत दर्ज कराने की पूरी प्रक्रिया को भी आसान शब्दों में समझाया गया। उन्होंने छात्राओं को व्यावहारिक रूप से पुलिस कार्यप्रणाली से परिचित कराने के लिए जल्द ही थानों का भ्रमण करने का निमंत्रण भी दिया, ताकि उनका पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। महिला थाना प्रभारी वर्षा बैगा और अजाक थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें घरेलू हिंसा, उत्पीडऩ और अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस हमेशा हर बेटी की सुरक्षा के लिए तत्पर है और किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा परेशान किए जाने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी जानी चाहिए।

सवालों और जवाबों का जीवंत सत्र

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा खुला संवाद सत्र रहा, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी जिज्ञासाएं रखीं और साइबर सुरक्षा, महिला हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग तथा पुलिस की कार्यप्रणाली से जुड़े कई तीखे और व्यावहारिक सवाल पूछे। पुलिस अधिकारियों ने बेहद आत्मीयता से एक-एक सवाल का संतोषजनक उत्तर दिया, जिससे छात्राओं का आत्मविश्वास काफी बढ़ा। इस सार्थक चर्चा ने पुलिस और युवाओं के बीच की दूरी को मिटाकर एक भरोसेमंद रिश्ता कायम किया।

महाविद्यालय का पूरा स्टाफ रहा मौजूद

इस सफल आयोजन को मूर्त रूप देने में महाविद्यालय के प्राध्यापकों की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर डॉ. राजीव श्रीवास्तव, डॉ. सी.एम.पी. मिश्रा, डॉ. यमुना, डॉ. सुनीता, डॉ. मेहजबीन अंसारी, डॉ. मोनिका मनहास और डॉ. सरोजबाला सहित महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ और सैकड़ों की संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने साइबर सुरक्षित और अपराधमुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

6 लाख के सोने के आभूषणों के साथ आरोपी को दबोचा

शहडोल।

जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में विश्वास का खून कर धोखाधड़ी करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धनपुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के सोने के आभूषण धोखे से गिरवी रखकर बैंक से लोन लेने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 06 लाख रुपये कीमत के तमाम सोने के जेवर बरामद कर लिए हैं।

जानकारी के अनुसार गत 25 सितंबर को धनपुरी निवासी एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि इलाके में रहने वाले मोहम्मद आरिफ से उसकी चार साल से जान-पहचान थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने महिला का विश्वास जीता और पिछले साल 22 अक्टूबर को उसकी मां व बहन के सोने के तीन सेट हार और तीन जोड़ी झुमके अपने कब्जे में ले लिए। शातिर आरोपी ने इन जेवरों को अनूपपुर स्थित मुथूट फाइनेंस बैंक में गिरवी रखकर 3 लाख 71 हजार 500 सौ रुपये का गोल्ड लोन ले लिया। जब पीड़िता ने अपने गहने वापस मांगे, तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगा।



महिला की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक से संपर्क कर त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरवी रखे गए सोने के आभूषण सुरक्षित जब्त कर लिए। घटना के बाद से फरार चल रहा आरोपी मोहम्मद आरिफ पिता स्व. मुस्ताक, उम्र 27 वर्ष, निवासी रजा मोहल्ला, धनपुरी को पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस ने 06 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवर जब्त कर आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है। इस सराहनीय कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार, सहायक उपनिरीक्षक भूपेन्द्र कुमार, प्रधान आरक्षक राकेश सिंह, राजू प्रसाद, सनद कुशवाहा तथा आरक्षक कोमल लोधी व राजेश शर्मा की भूमिका रही।

तहसीलदार की गाड़ी पर बरसाए पत्थर, दो गिरफ्तार

शहडोल।

जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में गुस्से और आक्रोश का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता का गुस्सा इस कदर सातवें आसमान पर पहुंच गया कि उसने अपनी खीझ मिटाने के लिए सीधे तहसीलदार की सरकारी बोलेरो गाड़ी को ही निशाना बना लिया। सीसीटीवी फुटेज न मिलने से बौखलाए आरोपी ने गाड़ी पर ताबड़तोड़ पत्थर बरसाकर उसके शीशे चकनाचूर कर दिए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत एक मामूली सडक़ हादसे की आशंका से हुई थी। आरोपी का बेटा तहसील कार्यालय के सामने बने ब्रेकर पर साइकिल से अचानक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। पिता को अंदेशा था कि उसके बेटे को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है, जिसके चलते वह दुर्घटना की सच्चाई का पता लगाना चाहता था। सच्चाई सामने लाने की जिद में वह तहसील कार्यालय पहुंचा और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की मांग करने लगा। हालांकि, किन्हीं कारणों से उसे फुटेज देखने को नहीं मिल



पाए। बस इसी बात से भडक़े पिता का गुस्सा फूट पड़ा और उसने तहसील परिसर में खड़ी तहसीलदार की सरकारी बोलेरो एमपी 13 जेडबी 6445 पर पथराव कर दिया। इस हमले में गाड़ी के सामने और साइड के कांच टूट गए, जिससे लगभग 18 हजार रुपये का नुकसान हुआ।

घटना के संबंध में फरियादी कपिल कुमार तिवारी ने 26 अक्टूबर को बुढ़ार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेन्द्रो ने तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया। पुलिस ने आसपास के अन्य कैमरों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अजय उर्फ छोटू पाण्डेय निवासी आदर्श कॉलोनी, बुढ़ार और शिवनारायण उर्फ गणेश कोल निवासी ग्राम झगरहा को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही, मामले की विवेचना के दौरान प्रासंगिक धाराओं में भी बढ़ोतरी की गई है। प्रशासनिक वाहन को इस प्रकार निशाना बनाए जाने का यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इनका कहना है...

तहसीलदार की गाड़ी में तोडफ़ोड़ करने की शिकायत पर एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है, आरोपी के बेटा ब्रेकर में गिरकर चोटिल हो गया था, जिससे आरोपी तहसील कार्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज देखना चाह रहा था, नहीं दिखने पर उसने तहसीलदार की गाड़ी में पत्थर से तोडफ़ोड़ की थी।

खेम सिंह पेंद्रो
थाना प्रभारी, बुढ़ार

नगरीय निकायों के सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं में कोताही बर्दाश्त नहीं

शहडोल।

जिले में नगरीय निकायों के विकास कार्यों और आम नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि शहरों के सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार में किसी भी प्रकार की हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उन्होंने स्ट्रीट लाइट, सडक़ों की मरम्मत, पार्कों के विकास, घर-घर कचरा संग्रहण और प्रमुख चौराहों के कायाकल्प जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के कड़े निर्देश दिए।

प्राथमिकता वाले कार्य और सख्त हिदायत

कलेक्टर ने बैठक के दौरान नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं





से जुड़े मुद्दों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरों में निर्बाध स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, पार्कों व ओपन जिम का निर्माण, गौशालाओं का बेहतर संचालन, सडक़ों का चौड़ीकरण और मरम्मत के कार्य युद्ध स्तर पर किए जाएं। इसके साथ ही, सुरक्षा के मद्देनजर प्रमुख चौराहों और कन्या विद्यालयों व छात्रावासों के आसपास विशेष रूप से स्ट्रीट लाइट व सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा गया। घर-घर कचरा संग्रहण और उसके उचित वैज्ञानिक निष्पादन के साथ-साथ गीता भवन के विकास और गंदे पानी के ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

अमृत और आवास योजनाओं पर विशेष फोकस

बैठक में अमृत योजना के तहत स्वीकृत जल प्रदाय योजनाओं, हर घर नल कनेक्शन, वाटर बॉडीज के निर्माण और उनके सौंदर्यीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना तथा कायाकल्प अभियान (फेज-1 व 2) के अंतर्गत लंबित सभी कार्यों को तय समय-सीमा में अमलीजामा पहनाने के निर्देश दिए। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 1 और 2) के तहत चल रहे अधूरे आवासों का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने पर जोर दिया गया ताकि जरूरतमंद हितग्राहियों को समय पर उनके सपनों का आशियाना मिल सके।

धीमी चाल पर उपयंत्रियों को नोटिस

विकास कार्यों में सुस्ती बरतने वाले अमले पर कलेक्टर की गाज भी गिरी है। अमृत योजना (शहडोल) के कार्यों में धीमी प्रगति पाए जाने पर संबंधित उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार, मुख्यमंत्री अधोसंरचना के कार्यों में लापरवाही पर खांड और बकहो के उपयंत्रियों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लक्ष्य पूरा न करने पर ब्यौहारी, खांड एवं धनपुरी के उपयंत्रियों को एक वेतनवृद्धि रोकने संबंधी नोटिस देने के कड़े निर्देश दिए गए। बैठक में शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी अंकित उइके, सीएमओ अमित तिवारी सहित विभिन्न निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और उपयंत्री मौजूद रहे। प्रशासनिक अमले की इस सख्ती से नगरीय निकायों में हडक़ंप मच गया है।

शहडोल में अवैध रेत का तांडव, खनिज विभाग और पुलिस लाचार

अब ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा, लाठी-डंडे लेकर खदेड़े माफिया

शहडोल। जिले में वैध रेत ठेकों के अभाव में नदियां और नाले मानों माफियाओं के तरकश के तीर बन गए हैं। बेखौफ रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे दिन-रात प्राकृतिक संसाधनों का सीना चीरकर अवैध उत्खनन और परिवहन में जुटे हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि प्रशासनिक अमले की लचर कार्यशैली से आजिज आकर अब आम जनता को खुद कानून की कमान अपने हाथों में लेनी पड़ रही है। ताजा मामला जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम घोरसा-सौता का है, जहां आक्रोशित ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों को खदेड़ दिया और मौके पर ही रेत खाली कराकर माफियाओं को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो प्रशासन की सुस्ती पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।



कार्रवाई के अभाव में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

जानकारी के अनुसार जयसिंहनगर के घोरसा-सौंता गांव के समीप बहने वाली नदियों से धड़ल्ले से अवैध रेत निकालकर ट्रैक्टरों के जरिए उसका परिवहन किया जा रहा था। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार की लिखित व मौखिक शिकायतें कई बार संबंधित विभागों तक पहुंचाई गईं, लेकिन खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस की ओर से कोई ठोस या प्रभावी कार्रवाई देखने को नहीं मिली। प्रशासन की इस गहरी नींद और उदासीनता से क्षुब्ध होकर आखिरकार ग्रामीण लामबंद हो गए। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे हाथों में लाठी-डंडे थामे ग्रामीण एकजुट होकर रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोकते हैं और माफियाओं को खदेड़ते हुए ट्रैक्टरों से जबरन रेत खाली करवाते हैं। ग्रामीणों के इस आक्रामक तेवर के आगे माफियाओं की एक न चली और उन्हें अपनी गाडिय़ां लेकर उल्टे पांव भागना पड़ा।

पहले भी जा चुकी हैं जान

जिले में अवैध रेत उत्खनन का इतिहास बेहद खौफनाक रहा है। पूर्व में भी माफियाओं के हौसले इतने आक्रामक रहे हैं कि अवैध उत्खनन रोकने की कार्रवाई के दौरान एक पुलिस सहायक उपनिरीक्षक और एक पटवारी अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके अलावा, हाल ही में ब्यौहारी क्षेत्र के अंतर्गत चेकिंग या कार्रवाई के दौरान महिला तहसीलदार पर भी रेत माफियाओं द्वारा हमले की सनसनीखेज वारदात सामने आ चुकी है। बावजूद इसके, घोरसा-सौता की इस घटना ने एक बार फिर जिला प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि जब आए दिन इस तरह के खौफनाक हादसे और घटनाएं सामने आ रही हैं, तो जिम्मेदार विभाग समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहे? आखिर आम जनता को अपनी सुरक्षा और जल स्रोतों को बचाने के लिए खुद सडक़ों पर उतरकर लाठी-डंडे उठाने को क्यों मजबूर होना पड़ रहा है? फिलहाल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो के बाद अब देखना यह होगा कि सुस्त प्रशासन इस मामले में नींद से जागकर कोई ठोस कार्रवाई करता है या अवैध कारोबार का यह खेल यूं ही बेखौफ जारी रहता है।

खबर संक्षेप

तालाब में डूबने से युवक की मौत, गांव में पसरा मातम, खेती के बाद नहाने के दौरान हुआ हादसा

कोतमा। थाना अंतर्गत चापानी गांव के बड़का टोला में तालाब में डूबने से 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि युवक खेती-किसानी का काम करने के बाद दोपहर में तालाब में नहाने गया था। अचानक हुई मौत की घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के भाई घनश्याम सिंह द्वारा सूचना दी गई कि बड़का टोला निवासी मंगल सिंह गोंड 32 बर्ष सुबह खेती-किसानी का कार्य करने के बाद दोपहर में गांव के सीड़िया तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया और तालाब से बाहर निकालकर आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारी

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह व्दारा ग्रामीण अंचलों का 30 अक्टूबर को भ्रमण किया जाएगा। करकेली विकासखंड अंतर्गत रहठा क्षेत्र के अधीनस्थ विभागीय कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय , अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण होगा तथा तदुपरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक रहठा में आयोजित जन संवाद स्थल में विभागीय अधिकारी उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएंगे तथा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि गहिराटोला, सिंहपुर, कोलौनी, दुलहरी, ठूठाकुदरी, चरगवां, रहठा , बेलसरा , धमनी, बोदली , कछारी तथा भनपुरा के साथ ही नगर परिषद नौरोजाबाद वार्ड क्रमांक 1 से 5 तक के वार्डों में स्थित शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा।

कलेक्टर ने बर्न यूनिट तैयार रखने के दिए निर्देश

उमरिया। आगामी दीपावली पर्व एवं देवउठनी एकादशी के दौरान पटाखों और आतिशबाजी से आग लगने तथा जलने की घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बर्न यूनिट तैयार कर उन्हें पूर्णतः क्रियाशील एवं मुस्तैद रखने के लिए कहा गया है। जारी निर्देशों के अनुसार, बर्न यूनिट में आवश्यक चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी निर्धारित की जाएगी। साथ ही जलने से संबंधित मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां, ड्रेसिंग सामग्री एवं अन्य चिकित्सा उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। दीपावली पर्व के दौरान आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के समुचित उपचार के साथ आवश्यकता पडने पर उन्हें उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से पूर्ण रखने को कहा गया है।

1 नवंबर को सभी शासकीय भवनों में की जाएगी रोशनी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर एक नवंबर को जिले के सभी शासकीय भवनों में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्थापना दिवस समारोह से संबंधित बैठक के कार्यवाही विवरण के अनुसार, एक नवंबर को सभी शासकीय भवनों को रोशनी से सजाया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारी संबंधी बैठक आज

उमरिया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर को मनाए जाने के संबंध में आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, आयोजित की गई है। बैठक में सभी अधिकारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्थापना दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों एवं संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा सके।

होमवर्क नहीं करने पर चौथी कक्षा के छात्र की लाठी से पिटाई का आरोप

आरके कॉन्वेंट स्कूल की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल







कनाड़ी कला में निजी स्कूल संचालक पर गंभीर आरोप बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा विभाग की निगरानी पर खड़े हुए सवाल

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर क्षेत्र अंतर्गत कनाड़ी कला में संचालित आरके कॉन्वेंट स्कूल में एक छात्र के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि होमवर्क पूरा करके नहीं आने पर स्कूल में पढने वाले चौथी कक्षा के छात्र सूर्यांश गुप्ता के साथ स्कूल संचालक रजनीश गुप्ता ने लाठी-डंडों से मारपीट की। घटना 27 अक्टूबर की बताई जा रही है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल बच्चों के प्रति संवेदनहीनता का मामला है, बल्कि विद्यालय में अनुशासन के नाम पर अपनाए जा रहे तरीकों पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

होमवर्क की सजा लाठी से देना कितना उचित?

विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करना, उनमें अच्छे संस्कार विकसित करना और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। होमवर्क पूरा नहीं करना किसी विद्यार्थी की शैक्षणिक कमजोरी या लापरवाही हो सकती है, लेकिन इसके लिए शारीरिक दंड देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। बच्चों को समझाने और उनकी गलतियों में सुधार कराने के लिए शिक्षक के पास कई शैक्षणिक विकल्प होते हैं। ऐसे में कथित तौर पर लाठी से पिटाई किए जाने की घटना ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है।

निजी स्कूलों की निगरानी पर सवाल

क्षेत्र में संचालित निजी शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, शिक्षकों के व्यवहार और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है, यह सवाल एक बार फिर सामने आया है। यदि किसी विद्यालय में बच्चों के साथ मारपीट होती है, तो इसकी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। केवल स्कूल संचालित होने से किसी संचालक को बच्चों के साथ मनमाना व्यवहार करने का अधिकार नहीं मिल जाता।

शिक्षा विभाग और प्रशासन से कार्रवाई की मांग

मामले में शिक्षा विभाग एवं स्थानीय प्रशासन को शिकायत की जांच कर छात्र और उसके अभिभावकों के बयान दर्ज करने चाहिए। साथ ही विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा से जुड़े प्रबंधों की समीक्षा कर आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। संबंधित पक्ष का बयान भी लिया जाना आवश्यक है, ताकि पूरे मामले के तथ्य सामने आ सकें। बच्चों का भविष्य किसी भी संस्थान की प्रतिष्ठा से अधिक महत्वपूर्ण है। अब सवाल यह है कि संबंधित अधिकारी मामले का संज्ञान लेकर जांच करेंगे या बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला भी कार्रवाई की प्रतीक्षा में रह जाएगा?

नरवाई जलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध, उल्लंघन पर लगेगा 15 हजार रुपये तक जुर्माना

उमरिया। जिले में फसल कटाई के पश्चात खेतों में बचने वाले फसल अवशेष (पराली/नरवाई) जलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती राखी सहाय ने वायु प्रदूषण की रोकथाम, आगजनी की घटनाओं से आमजन के स्वास्थ्य एवं जान-माल की सुरक्षा तथा भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, की धारा के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश जारी होने की तिथि से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के अनुसार जिले की राजस्व सीमा अंतर्गत फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाले अवशेषों को जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। किसानों से अपील की गई है कि वे नरवाई जलाने के बजाय फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों एवं अन्य वैकल्पिक उपायों का उपयोग करें। आदेश में हार्वेस्टर मशीन संचालकों के लिए स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य किया गया है। इसके माध्यम से फसल कटाई के बाद बचे अवशेषों का खेत में ही उचित प्रबंधन कर भूसा बनाया जा सकेगा। यदि हार्वेस्टर संचालक मशीन में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम नहीं लगाते हैं, तो अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नरवाई में आग लगाने पर भूमि के रकबे के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति निर्धारित की गई है जिसमें दो एकड़ से कम भूमि पर प्रति घटना 2 हजार 500 रुपये, दो एकड़ से अधिक और 5 एकड़ से कम भूमि पर प्रति घटना 5 हजार रुपये, पांच एकड़ या उससे अधिक भूमि पर प्रति घटना 15 हजार रुपये जुर्माना लगेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं, पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया कोतवाली थाना का भ्रमण

उमरिया। जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम के द्वितीय दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं को पुलिस विभाग के सहयोग से कोतवाली थाना उमरिया का भ्रमण कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानूनी प्रक्रियाओं एवं न्यायिक व्यवस्था से अवगत कराना था।



थाना भ्रमण के दौरान उपनिरीक्षक मुकेश मर्सकोले ने विद्यार्थियों को थाना की कार्यशैली एवं कार्यपद्धति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया, कानूनी कार्रवाई, न्यायिक व्यवस्था, मालखाना में जब्त सामग्री को सुरक्षित रखने की व्यवस्था तथा थाना में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दायित्वों और कर्तव्यों के बारे में बताया। विद्यार्थियों को पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका से भी अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के दो दल बनाकर थाना परिसर का अवलोकन कराया गया, जिससे सभी विद्यार्थियों को थाना की विभिन्न व्यवस्थाओं को समझने का अवसर मिला। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा पुलिस की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। विद्यार्थियों ने इस उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि के आयोजन के लिए थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक ऋषि राज पुरवार, कार्यक्रम सह-संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. अरविंद शाह बरकड़े, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. विमला मरावी, सुश्री रश्मि सिंह एवं डॉ. सौरभ पाण्डेय उपस्थित रहे।

बादलों ने रोका चांद का दीदार, सुहागिनों ने बिना चांद देखे खोला करवा चौथ का व्रत

पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला उपवास



कोतमा। जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित कोतमा, कोयलांचल और ग्रामीण अंचलों में गुरुवार को करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखा। हालांकि, मौसम में अचानक आए बदलाव और आसमान में छाए बादलों के कारण चांद के दीदार का इंतजार लंबा होता गया। चांद नजर नहीं आने से कई महिलाओं ने परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर बिना चांद देखे ही व्रत खोला। सुबह से ही पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाई और शाम होते ही सोलह श्रृंगार कर नए परिधानों में सज-संवरकर पूजा की तैयारियां शुरू कर दीं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महिलाओं ने सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा की और इसके बाद चौथ माता की आराधना कर पति की दीर्घायु तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। करवा चौथ पर चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने और पति के हाथों से पानी पीकर व्रत खोलने की परंपरा है। इसी परंपरा के चलते महिलाएं शाम से ही छतों और खुले स्थानों पर चांद निकलने का इंतजार करती रहीं। सुबह से लेकर शाम तक आसमान में बादलों का डेरा रहने और मौसम में अचानक बदलाव के कारण चांद दिखाई नहीं दिया। ऐसे में महिलाओं ने धार्मिक आस्था के साथ पूजा-अर्चना की और कई स्थानों पर चंद्र दर्शन के बिना ही व्रत का पारण किया। पर्व के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों और आभूषणों से सजकर करवा चौथ की पूजा की। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजन किया, वहीं कुछ जगहों पर भजन-कीर्तन के आयोजन भी हुए। पूरे दिन निर्जला उपवास रखने के बाद महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। चांद के दर्शन नहीं होने के बावजूद महिलाओं के उत्साह और आस्था में कमी नहीं दिखी। महिलाओं ने पूजा के बाद पति के हाथों से पानी पीकर व्रत खोला। इस तरह मौसम की बेरुखी के बीच भी अनूपपुर, कोतमा और आसपास के क्षेत्रों में करवा चौथ का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

काशी की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत से रूबरू हुए नोबल स्कूल के विद्यार्थी

ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से जानने का मिला अवसर



जैतहरी। नोबल पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, जैतहरी के छात्र-छात्राओं ने धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी काशी (वाराणसी) का तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और आध्यात्मिक विरासत से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को काशी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व को समझने का अवसर मिला। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान करना भी है। इसी सोच के तहत आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण ने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का विस्तार करने और भारतीय संस्कृति की विविधता को समझने का अवसर दिया। विद्यालय परिवार ने इस यात्रा में सहयोग देने वाले सभी अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि अभिभावकों का विश्वास और सहयोग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। विद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ श्रेष्ठ संस्कार भी दिए जाएं, ताकि वे शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षक परिवार ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक और नैतिक विकास के लिए इस तरह की गतिविधियां आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। विद्यालय का संकल्प है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, श्रेष्ठ संस्कार और व्यावहारिक अनुभवों के समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाए।

चक्रवाती तूफान का असर, कोतमा में दूसरे दिन भी झमाझम बारिश जनजीवन अस्त-व्यस्त, बाजारों में पसरा

कोतमा। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से कोतमा क्षेत्र में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। बुधवार से शुरू हुआ तेज हवाओं और बारिश का दौर गुरुवार को भी दिनभर रुक-रुक कर जारी रहा। लगातार हो रही इस बेमौसम बारिश और ठंडी हवाओं के कारण क्षेत्र का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। तापमान में आई भारी गिरावट की वजह से लोगों को समय से पहले ही कड़ाके की ठंड का एहसास होने लगा है। गुरुवार को सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छाए रहे और रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। बेमौसम बरसात और बर्फीली हवाओं के कारण लोग घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सके। स्थिति यह रही कि कोतमा के मुख्य बाजारों से लेकर दैनिक सब्जी मंडियों तक में दोपहर के समय भी सन्नाटा पसरा नजर आया। दुकानों पर ग्राहक नदारद रहे और व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप पड़ गईं। मौसम में आए इस अचानक बदलाव ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय किसानों के अनुसार, फसलों पर इसका असर मिश्रित देखने को मिल सकता है। धान की फसल लगभग पककर तैयार है या कई जगहों पर कटाई का काम चल रहा है। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण खड़ी धान की फसल खेतों में बिछ गई है, जिससे बालियां काली पड़ने और सड़ने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, जिन किसानों ने धान काटकर खेतों में रखी थी, उनकी उपज भी भीग गई है। लगातार बारिश से टमाटर, मिर्च और अन्य हरी सब्जियों के पौधों में जलभराव की स्थिति बन रही है, जिससे फसलों में रोग (फंगस) लगने और सड़ने की आशंका है। यदि बारिश जल्द थम जाती है, तो खेतों में आई नमी से आगामी रबी सीजन विशेषकर गेहूं और चने की बुवाई के लिए जमीन तैयार करने में मदद मिलेगी।



कार्यालय नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला-शहडोल म.प्र.

क्रमांक / न.पा./भण्डार/2026-27/1544 **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** धनपुरी दिनांक :-28/10/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमन्त्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	1449-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544774_1	Beautification and Renovation work of Rangmanch at ward no 21.	60 दिवस 99.76 लाख	10000/- एवं 75000/-	23.11.2026 05:30PM
2	1450-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544788_1	Construction and Renovation of Shamshanghat at ward no 06.	60 दिवस 81.84 लाख	10000/- एवं 62000/-	23.11.2026 05:30PM
3	1451-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544880_1	Construction of Shop near sanichri bazaar at ward no 14.	60 दिवस 30.51 लाख	5000/- एवं 23000/-	23.11.2026 05:30PM
4	1452-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544881_1	Providing and Fixing of False Ceiling second and third floor of shopping complex at ward no 02.	60 दिवस 52.83 लाख	10000/- एवं 40000/-	23.11.2026 05:30PM
5	1463-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544882_1	Construction of Colour Musical Fountain at ward no 13 Near Shopping Complex. (Second Call)	60 दिवस 34.80 लाख	5000/- एवं 26100/-	10.11.2026 05:30PM
6	1464-DATE-22.10.2026 2026_UAD_544883_1	Construction of Colour Musical Fountain at ward no 02 Near NDC.(Second Call)	60 दिवस 26.80 लाख	5000/- एवं 20100/-	10.11.2026 05:30PM

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी, जिला- शहडोल म.प्र.

खबर संक्षेप

भ्रष्टाचार में घिरे उपपंजीयक को हटाए जाने की मांग

ब्यौहारी। उपपंजीयक कार्यालय ब्यौहारी- मे भारी भ्रष्टाचार फैला हुआ है जो लोग जमीन लेते हैं उनका शोषण किया जा रहा है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सचिन जैन जिसको कलेक्टर शहडोल ने भ्रष्टाचार आरोप से उप पंजीयक कार्यालय सोहागपुर से हटाया उसको जिला पंजियक द्वारा भ्रष्टाचार करने के लिए ब्यौहारी- पंजीयक कार्यालय का प्रभार दे दिया गया शहडोल अधिवक्ता संघ ने कलेक्टर से बात कर अपने कार्यालय से ऐसे लुट करने वाले से रछा कर ली अब देखना यह है कि ब्यौहारी- की जनता की रक्षा ऐसे लुट करने वाले अधिकारी से ब्यौहारी- अधिवक्ता संघ कैसे रछा करता है सचिन जैन बाबू है जिनको उप पंजीयक का प्रभार दिया गया है और कलेक्टर की नजर से दूर भेज कर उनको लूटने की खुली छूट दे दी गई है क्षेत्र की जनता ने कलेक्टर से मांग की है कि जिसकी कार्यशाली पहले से ही विवादित है उसको जिला पंजीयक द्वारा कैसे ब्यौहारी- का प्रभार दे दिया गया जनता ने तत्काल प्रभाव से प्रभारी उपपंजीयक को हटाए जाने की मांग की है।

3 नवंबर को होगा विकसित भारत युवा संसद का आयोजन

उमरिया। युवाओं को संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के समसामयिक मुद्दों पर जागरूक बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के अंतर्गत विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में माय भारत उमरिया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 3 नवंबर 2026 को रणविजय कॉलेज के हॉल में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष युवा संसद की थीम एक राष्ट्र, एक चुनाव' निर्धारित की गई है।

विकसित भारत युवा संसद का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में जिला स्तरीय युवा संसद, दूसरे चरण में राज्य स्तरीय युवा संसद तथा अंतिम चरण में राष्ट्रीय युवा संसद आयोजित होगी। राष्ट्रीय युवा संसद का सत्र संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया जाता है, जो भारतीय संविधान निर्माताओं की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है।

ग्राम सलैया में बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता शिविर संपन्न



उमरिया। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की नौगजा शाखा द्वारा ग्राम सलैया में बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं एवं वित्तीय जागरूकता के प्रति जागरूक किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्रदान करना, उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक बनाना तथा बैंकिंग सुविधाओं से जोडक़र उन्हें बैंकिंग की मुख्यधारा में शामिल करना रहा। कार्यक्रम के अंत में शाखा प्रबंधक दीपक कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों एवं सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक अभय तिवारी, नाबार्ड, उमरिया के जिला विकास प्रबंधक हिमांशु शुक्ला तथा अग्रणी जिला प्रबंधक गौतम कुमार सिंह उपस्थित रहे।

नगर निरीक्षक के सुझबूझ से हुआ खुलासा, सीसीटीवी फुटेज ने उगले राज

तहसीलदार की गाड़ी में तोड़फोड़ करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, बुढ़ार पुलिस ने भेजा जेल

बुढ़ार।तहसील कार्यालय बुढ़ार परिसर में खड़ी तहसीलदार संदीप बघेल की सरकारी बोलेरो गाड़ी (MP13ZB 6445) में तोड़फोड़ करने वाले दो अज्ञात आरोपियों को बुढ़ार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम धमनीकला (थाना खैरहा) निवासी कपिल कुमार तिवारी (37 वर्ष) ने 26 अक्टूबर को थाना बुढ़ार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी 26 अक्टूबर की रात तहसील कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात था। शेड के नीचे खड़ी तहसीलदार साहब की सफेद रंग की बोलेरो रात 11:00 बजे तक सही-सलामत स्थिति में थी। 27 अक्टूबर की सुबह करीब 7:00 बजे जब देखा गया तो बोलेरो गाड़ी का सामने का कांच फूटा हुआ था, आसपास पत्थर बिखरे पड़े थे और बाईं तरफ के बीच का कांच भी टूटा मिला। रात 11:00 बजे से सुबह 7:00 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने पथराव कर गाड़ी को नुकसान पहुंचाया, जिससे लगभग □18,000 की क्षति हुई।रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान मामले में धारा



296A और 351(3) बढ़ाई गईं।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी (CCTV) फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर दो संदेहियों—अजय उर्फ छोटू पाण्डेय (पिता राजू पाण्डेय, निवासी आदर्श कॉलोनी बुढ़ार) एवं शिवनारायण उर्फ गणेश कोल (पिता राजन कोल, निवासी ग्राम झगरहा)—की पहचान हुई।पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। जुर्म साबित होने पर 29 अक्टूबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में थाना प्रभारी बुढ़ार निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो, उप-निरीक्षक रजनीश तिवारी, प्रधान आरक्षक सतीश चौरसिया, प्रधान आरक्षक शरद प्रजापति तथा आरक्षक प्रदीप घुरैया की सराहनीय व महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समितियां को दी दस्तावेजीकरण की महत्वपूर्ण जानकारियां



ब्यौहारी-। विकासखंड के अंतर्गत ग्रामतिखवा 28 अक्टूबर 2026 मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के अंतर्गत आज सेक्टर तिखवा 5 प्रस्फुटन समितियां का प्रशिक्षण ग्राम पंचायत भवन तिखवा में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत तिखवा के सरपंच, लोकेश सिंह झिक राम रहे जबकि अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के मऊ मंडल के उपाध्यक्ष उमेश साहू ने की इसमें पथरेही, अल्हरा पपोड़ तिखवा जमुनी के सदस्यों ने भाग लिया प्रशिक्षक के रूप में विकासखंड समन्वयक शिवदत्त उरमलिया परामर्श दाता क्रमशः हीरालाल साहू रामेश्वर पाल रहे इन प्रशिक्षकों के द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का उद्देश्य लक्ष्य प्रस्फुटन समितियां का दस्तावेजीकरण एवं बैठक रिकॉर्ड संधारण एवं एनजीओ समिति के गठन के बारे में बताया गया प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया कार्यक्रम अयोध्या जन विकास समिति के अध्यक्ष सुदामा प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम के आयोजक मुख्य भूमिका के रूप में राजेंद्र सिंह ओइके कार्यक्रम समन्वयक अयोध्या जन विकास समिति देवराव रहे कार्यक्रम में कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति राजेश निगम, रामसुशील लखेरा, रामबहोर सिंह ,राम जी सिंह राधारमन कुशवाहा, धर्मेंद्र सिंह ,रामदीन कोल, मनबोध प्रजापति, शिवप्रसाद प्रजापति, नवांकुर सखियां आंचल सिंह ,अनीता सिंह, चंद्रवती सिंह ,उर्मिला सिंह एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

ग्रामीणों की आपत्तियों के बीच पेड़ों की कटाई, मौके की तस्वीरों ने बढ़ाई चिंता; कंपनी की कार्यप्रणाली और प्रशासन की भूमिका पर सवाल

पथोरा कोल ब्लॉक के लिए मशीनों से काटे जा रहे जंगल! ग्रामीणों के विरोध के बावजूद कटाई जारी होने का आरोप, प्रशासन मौन क्यों?

पथोरा। पथोरा कोल ब्लॉक परियोजना को लेकर क्षेत्र में विवाद गहराता नजर आ रहा है। ग्रामीणों के विरोध के बावजूद जंगलों में मशीनों से पेड़ों की कटाई किए जाने की बात सामने आई है। मौके से मिली तस्वीरों में कटे हुए पेड़ों के ठूंठ और जमीन पर पड़े लकड़ी के बड़े-बड़े लट्ठे दिखाई दे रहे हैं। इससे वन कटाई को लेकर स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है।

मशीनों से कट रहे पेड़, ग्रामीणों की आवाज कौन सुनेगा?

ग्रामीणों का आरोप है कि उनके विरोध के बावजूद जंगलों की कटाई का काम जारी है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब स्थानीय लोग अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं, तो उनकी बातों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है?

जंगलों का नुकसान केवल पेड़ों तक सीमित नहीं है। इसका असर पर्यावरण, वन्यजीवों, प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय ग्रामीणों के जीवन पर भी पड़ सकता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल, कार्रवाई का इंतजार

ग्रामीणों के विरोध के बीच संबंधित प्रशासन और वन विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।





आखिर मशीनों से पेड़ों की कटाई किन आदेशों और अनुमतियों के तहत की जा रही है? क्या सभी आवश्यक पर्यावरणीय और वन संबंधी स्वीकृतियां प्राप्त हैं? क्या निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन किया जा रहा है?

यदि किसी स्तर पर नियमों की अनदेखी हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

विकास के नाम पर जंगलों की कीमत कौन चुकाएगा?

कोल ब्लॉक परियोजना के नाम पर होने वाली गतिविधियों में विकास और रोजगार की उम्मीदें जुड़ी हो सकती हैं, लेकिन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों की चिंताओं का सम्मान भी जरूरी है।

ग्रामीणों की मांग है कि मौके पर तत्काल जांच कराई जाए, वन कटाई से संबंधित अनुमतियों की जानकारी सार्वजनिक की जाए और उनकी आपत्तियों पर उचित सुनवाई सुनिश्चित की जाए। अब जिम्मेदार अधिकारियों को देना होगा जवाब!

पथोरा कोल ब्लॉक में मशीनों से हो रही पेड़ों की कटाई को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब संबंधित विभागों को देना चाहिए। ग्रामीणों की आपत्तियों पर क्या कार्रवाई हुई? वन कटाई की अनुमति किन शर्तों पर दी गई? और पर्यावरण को होने वाले नुकसान की निगरानी कौन कर रहा है? जंगल केवल जमीन पर खड़े पेड़ नहीं, बल्कि प्रकृति की धरोहर हैं। ग्रामीणों की आवाज को अनसुना करके विकास की तस्वीर पूरी नहीं हो सकती। अब देखना यह है कि प्रशासन जांच और कार्रवाई कब करता है।

ओपीएम से सेवानिवृत्त होने पर औद्योगिक संबंध महाप्रबंधक सतीश शर्मा को दी गई भावभीनी विदाई



अमलाई। कागज कारखाना मजदूर संघ कार्यालय, अमलाई में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ओरिएंट पेपर मिल, अमलाई के महाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) सतीश शर्मा के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर मजदूर संघ द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कागज कारखाना मजदूर संघ के महामंत्री अजय मिश्रा ने कहा कि सतीश शर्मा ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया, उनकी कार्यशैली सदैव सराहनीय रही। उन्होंने कहा कि शर्मा का श्रमिक हितों के प्रति सकारात्मक रवैया हमेशा याद रखा जाएगा।समारोह के दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सतीश शर्मा के सुखद भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सतीश शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी कर्मचारियों एवं संघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ओरिएंट पेपर मिल परिवार के साथ बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है। इस अवसर पर मजदूर संघ के महामंत्री अजय मिश्रा सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

घुनघुटी में रेत चोरी का कथित खेल! नाकों से कैसे गुजर रहे रेत से भरे ट्रैक्टर?

कंपनी के नाकेदारों की भूमिका पर उठे सवाल

कार्रवाई के दावों के बीच बेखौफ रेत परिवहन, पुलिस, वन विभाग और कंपनी के जिम्मेदारों की निगरानी पर सवालिया निशान

घुनघुटी। क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि घुनघुटी क्षेत्र में रेत से भरे ट्रैक्टर खुलेआम सप्लाई कर रहे हैं और जांच नाकों से भी आसानी से गुजर रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन वाहनों की जांच कौन कर रहा है और यदि रेत का परिवहन अवैध है, तो जिम्मेदारों की नजरों के सामने यह कारोबार कैसे चल रहा है?

स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि कंपनी के नाकेदारों की कथित मिलीभगत के चलते रेत से भरे ट्रैक्टरों को रास्ता मिल रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और निष्पक्ष जांच होना अभी आवश्यक है। यदि नाकों पर तैनात कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है, तो इसकी जांच कर सच्चाई सामने लाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

आखिर नाकों पर किसकी जिम्मेदारी?

रेत के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभागों और जांच नाकों की अहम भूमिका होती है। इसके बावजूद यदि बिना उचित जांच के वाहन निकल रहे हैं, तो यह निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा है कि पुलिस, वन विभाग और कंपनी के जांच कर्मचारियों के बीच समन्वय की कमी का फायदा उठाकर रेत परिवहन किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर नाकों पर जांच हो रही है, तो रेत से भरे ट्रैक्टर बिना रोक-टोक कैसे निकल रहे हैं? क्या वाहनों के पास वैध परिवहन दस्तावेज हैं? क्या उनकी नियमित जांच की जा रही है? और यदि कहीं लापरवाही या मिलीभगत है, तो अब तक जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

श्रमिकों एवं कर्मचारियों को दी गई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी, समस्याओं के निराकरण पर रहा जोर



ईएसआईसी-ईपीएफओ का संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम संपन्न

अमलाई। श्रमिकों एवं कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से शहडोल स्थित बाइटन स्कूल में ईएसआईसी एवं ईपीएफओ का संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ईएसआईसी प्रतिनिधि निशांत बढेल और ईपीएफओ प्रतिनिधि विजय सिंह द्वारा जानकारी दी गई।कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) का 'सुविधा संगम' एवं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का 'निधि आपके निकट 2.0' अभियान आयोजित किया गया। इसके माध्यम से श्रमिकों, कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं को संबंधित विभागों की योजनाओं, सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी देने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विभागों और हितग्राहियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा ईएसआईसी एवं ईपीएफओ से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों के निराकरण के लिए उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना रहा। इस तरह के आयोजनों से कर्मचारियों को अपनी समस्याएं संबंधित विभागों के समक्ष रखने और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को समझने का अवसर मिलता है। संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विभागीय सेवाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने की पहल की गई। ईएसआईसी की अमलाई शाखा द्वारा कार्यक्रम की जानकारी साझा की गई।

दीपावली से पूर्व ओपीएम कॉलोनी में वृहद स्वच्छता अभियान, प्रबंधन ने जारी किए कड़े दिशा-निर्देश

अमलाई। दीपावली के पावन पर्व के मद्देनजर ओरिएंट पेपर मिल (ओपीएम) कालोनी परिसर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रबंधन द्वारा बड़े पैमाने पर विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) योगेंद्र वार्ष्णेय के कुशल निर्देशन तथा एचआर प्रमुख रवि सिंह के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत संपूर्ण पर्सनल (कार्मिक) विभाग युद्धस्तर पर तैयारियों और निगरानी में जुटा हुआ है। कालोनी परिसर में उगी झाड़ियों व घास की कटाई, इधर-उधर बिखरे पॉलीथीन व प्लास्टिक कचरे का उठाव तथा जाम पड़ी नालियों की तलीझाड़ सफाई व आवश्यक मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। कचरा एकत्र करने और मलबे के त्वरित निस्तारण के लिए



जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली और लोडिंग वाहनों के साथ सफाई कर्मचारियों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं।

परिसर में गंदगी फैलाने पर रोक, नोटिस जारी

कालोनी को स्वच्छ बनाए रखने में निवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधन ने लगभग एक सप्ताह पूर्व ही सभी कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिशा-निर्देश दिए थे। नोटिस के माध्यम से अपील की गई है कि कालोनी परिसर में किसी भी स्थान पर कचरा न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखें। साथ ही, यह भी सख्त हिदायत दी गई है कि कालोनी के खुले क्षेत्रों या सड़कों पर पालतू कुत्तों से मलमूत्र का त्याग न करवाएं, जिससे परिसर की स्वच्छता और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण बना रहे।

खबर संक्षेप



खेत में फंदा लगाकर तेंदुआ शावक का शिकार, साक्ष्य छिपाने जंगल में फेंका शव

अनूपपुर। अनूपपुर वन मंडल के अहिरगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत औढेरा बीट के जंगल से लगे शहडोल जिले के ग्राम काचोदर में फंदा लगाकर तेंदुआ शावक का शिकार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खेत में लगाए गए तार के फंदे में फंसने से तेंदुआ शावक की मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को खेत से कुछ दूरी पर जंगल में फेंक दिया। शव से दुर्गंध आने और मुखबिर से सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने जांच शुरू की और दो आरोपियों को पकड़ लिया। वन विभाग के अनुसार, 27 अक्टूबर को औढेरा बीट के कक्ष क्रमांक-1 से तेंदुआ शावक का शव बरामद किया गया। मामले की जांच के दौरान ग्राम काचोदर निवासी रामरतन पिता देवीदीन (लगभग 63 वर्ष) और रामबहोर पिता भगवान दास (59 वर्ष) को पूछताछ के लिए अभिरक्षा में लिया गया। जांच के दौरान डॉग स्क्वॉड की मदद से आरोपियों के घरों और खेतों की तलाशी कराई गई। इस दौरान एक आरोपी के घर की बाड़ी से शिकार में इस्तेमाल किया गया तार का फंदा बरामद हुआ। वन विभाग के मुताबिक, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने तेंदुआ शावक का शिकार करने और साक्ष्य छिपाने के लिए शव जंगल में फेंकने की बात स्वीकार की। वन विभाग ने 28 अक्टूबर को मृत तेंदुआ शावक का शव परीक्षण कराया और आवश्यक नमूने एकत्रित किए। इसके बाद नियमानुसार शव का दाह संस्कार किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया और विवेचना जारी है। प्रकरण की विवेचना मुख्य वन संरक्षक शहडोल एमपी सिंह, अनूपपुर वन मंडलाधिकारी डेविड वेंकटराव चनाप और राजेंद्रग्राम के वन उपमंडलाधिकारी जसवंत सिंह मीणा के निर्देशन में की जा रही है। अहिरगवां वन परिक्षेत्र अधिकारी सिद्धार्थ तिवारी अपनी टीम के साथ मामले की जांच कर रहे हैं।

जैतहरी में दो जगह जुए के फड़ पर पुलिस की दबिश, सात आरोपी गिरफ्तार



अनूपपुर। जैतहरी थाना पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 3,460 रुपये नकद, 67 हजार रुपये कीमत के छह मोबाइल फोन और ताश के 104 पत्ते जब्त किए हैं। दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर की मध्यरात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम छातापटपर में जगत गुप्ता के घर के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर तीन लोगों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान रुद्र प्रसाद यादव (34), जोहन सिंह गोंड (48) और बबलू सिंह गोंड (28), निवासी ग्राम छातापटपर के रूप में हुई। इनके कब्जे और जुआ फड़ से 600 रुपये नकद, ताश के 52 पत्ते तथा 25 हजार रुपये कीमत के तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। इसी दौरान पुलिस को जैतहरी साप्ताहिक बाजार परिसर में खंभे की रोशनी के नीचे बने शेड में जुआ खेले जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चार आरोपियों को पकड़ा। इनमें अखिलेश पाण्डेय (34), निवासी वार्ड क्रमांक 11 मनागंज जैतहरी, विनय अग्रवाल (36), निवासी वार्ड क्रमांक 1, राजा अग्रवाल (35), निवासी वार्ड क्रमांक 7 और कमल राठौर (38), निवासी वार्ड क्रमांक 9 जैतहरी शामिल हैं।

9,535 वृक्षों की कटाई; छत्तीसगढ़ में नियंत्रण की कार्रवाई पर सवाल

अमरकंटक के जंगलों में साल बोरर का कहर









अनूपपुर और डिंडोरी में डेढ़ लाख से अधिक साल वृक्षों की कटाई की प्रक्रिया का दावा सीमावर्ती गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में सर्वे और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत क्या बिना अंतरराज्यीय समन्वय के थमेगा कीट का फैलाव?

अनूपपुर/अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के जंगलों में साल बोरर कीट का प्रकोप वन संपदा के संरक्षण को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर रहा है। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के अमरकंटक और डिंडोरी जिले के करंजिया वन परिक्षेत्र में प्रभावित साल वृक्षों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अमरकंटक क्षेत्र में 9,535 वृक्षों की कटाई की अनुमति का उल्लेख सामने आया है, जबकि अनूपपुर और डिंडोरी के संबंधित वन क्षेत्रों में डेढ़ लाख से अधिक साल वृक्षों की कटाई की अनुमति और प्रक्रिया को लेकर भी आंकड़े सामने रखे जा रहे हैं। दूसरी ओर, पड़ोसी छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में प्रभावित वृक्षों की पहचान और नियंत्रण कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से संक्रमण रोकने की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। सवाल केवल वृक्षों की कटाई का नहीं, बल्कि उन जंगलों को बचाने की व्यापक रणनीति का है, जिनकी प्राकृतिक निरंतरता राज्य की सीमाओं से बंधी नहीं है। यदि एक ओर मध्यप्रदेश में प्रभावित वृक्षों को हटाकर कीट का प्रसार रोकने का प्रयास हो रहा है, तो दूसरी ओर सीमावर्ती वन क्षेत्रों की स्थिति का वैज्ञानिक आकलन और वहां नियंत्रण के उपायों की जानकारी भी सामने आनी चाहिए।

9,535 वृक्षों की कटाई, बाकी वन क्षेत्र का कौन देगा हिसाब?

अमरकंटक क्षेत्र में लगभग 40 लाख साल वृक्षों वाले वन क्षेत्र में करीब 22 हजार वृक्षों के प्रभावित होने का आकलन बताया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यहां 9,535 वृक्षों की कटाई की अनुमति का उल्लेख है। इसके अलावा अनूपपुर और डिंडोरी के संबंधित वन क्षेत्रों में डेढ़ लाख से अधिक साल वृक्षों की कटाई की अनुमति और कार्रवाई को लेकर चर्चा है। इन आंकड़ों के बीच यह स्पष्ट होना जरूरी है कि कितने वृक्षों की पहचान वैज्ञानिक सर्वेक्षण में संक्रमित के रूप में हुई, कितनों को हटाने की अनुमति दी गई और वास्तविक कटाई कितनी हो चुकी है। वन संरक्षण के नाम पर प्रभावित वृक्षों को हटाना यदि आवश्यक कदम है, तो उसकी वैज्ञानिक वजह, निर्धारित प्रक्रिया और परिणामों की जानकारी भी सार्वजनिक होनी चाहिए। आखिर कितने वृक्षों को संक्रमण से बचाया जा सकता है और कितनों को हटाना अनिवार्य है? इसका स्पष्ट आकलन सामने आने से ही कार्रवाई की आवश्यकता और प्रभाव का मूल्यांकन हो सकेगा।

मध्यप्रदेश में कार्रवाई, छत्तीसगढ़ में क्या है स्थिति?

अमरकंटक और करंजिया के वन क्षेत्रों से लगे छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के जंगलों में साल वृक्षों पर साल बोरर के प्रभाव की वास्तविक स्थिति क्या है? क्या वहां विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया है? क्या प्रभावित वृक्षों की पहचान हुई है और उनके उपचार अथवा नियंत्रण के लिए कोई कार्ययोजना बनाई गई है? यदि कार्रवाई की जा रही है, तो उसका विवरण क्या है? इन सवालों के जवाब सामने आना इसलिए जरूरी है, क्योंकि कीटों का प्रसार प्रशासनिक सीमाओं को ध्यान में रखकर नहीं रुकता। यदि सीमावर्ती क्षेत्रों में भी संक्रमण मौजूद है, तो केवल एक राज्य के जंगलों में कार्रवाई करना पर्याप्त होगा या नहीं, इसका निर्णय वैज्ञानिक आकलन और विशेषज्ञों की राय के आधार पर होना चाहिए।

दोनों राज्यों के वन विभागों के बीच समन्वय जरूरी

साल बोरर के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के वन विभागों के बीच समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। सीमावर्ती वन क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण, प्रभावित वृक्षों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण, संक्रमण की नियमित निगरानी और नियंत्रण उपायों की समीक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। यदि छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जंगलों में भी कीट का प्रकोप पाया जाता है, तो वहां की स्थिति के अनुरूप कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। वहीं, यदि वहां संक्रमण नहीं पाया गया है, तो सर्वेक्षण के निष्कर्ष सामने आने से अनावश्यक आशंकाओं पर विराम लग सकेगा। फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है।

कटाई की अनुमति से लेकर लकड़ी के निपटान तक पारदर्शिता जरूरी

साल वृक्ष अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए बड़े पैमाने पर वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया में वैज्ञानिक आधार और पारदर्शिता सर्वोपरि होनी चाहिए। प्रभावित वृक्षों की पहचान, कटाई की अनुमति, वास्तविक कटाई, लकड़ी के परिवहन और भंडारण से संबंधित विवरणों की निगरानी की जानी चाहिए। वन विभाग को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि कटाई के बाद संक्रमण की स्थिति का आकलन किस प्रकार किया जाएगा और शेष स्वस्थ वृक्षों को बचाने के लिए क्या उपाय अपनाए जा रहे हैं। नियमित निगरानी और समय पर पहचान के बिना भविष्य में नए वृक्षों के प्रभावित होने की आशंका का आकलन करना कठिन होगा।

वन संपदा की सुरक्षा के लिए साझा कार्ययोजना कब? अमरकंटक, करंजिया और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के आसपास के वन क्षेत्रों में साल बोरर के प्रकोप को लेकर उपलब्ध आंकड़ों और कार्रवाई की स्थिति का समग्र आकलन जरूरी है। कटाई को ही एकमात्र समाधान मानने के बजाय वैज्ञानिक परीक्षण, विशेषज्ञों की सलाह, नियमित निगरानी और सीमावर्ती क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई पर भी ध्यान देना होगा। अब वन विभागों से यह जानना जरूरी है कि प्रभावित वृक्षों की पहचान और कटाई के लिए क्या मानक अपनाए जा रहे हैं, छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जंगलों में क्या सर्वेक्षण हुआ है और दोनों राज्यों के बीच कोई संयुक्त कार्ययोजना प्रस्तावित है या नहीं। इन सवालों पर आधिकारिक जवाब सामने आने से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि साल बोरर के प्रकोप को नियंत्रित करने के प्रयास कितने व्यापक हैं और अमरकंटक की बहुमूल्य वन संपदा को बचाने के लिए आगे क्या कदम उठाए जाएंगे।



छिरियाटोला के पास बस और पिकअप में भिड़ंत, तीन घायल

एसपी अंकित सोनी पहुंचे जिला अस्पताल, घायलों का जाना हाल

अनूपपुर।

जिले के छिरियाटोला गांव के पास गुरुवार सुबह करीब 9:30 से 10 बजे के बीच यात्री बस और पिकअप वाहन की टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल अनूपपुर पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को छुट्टी दे दी गई, जबकि दो अन्य का परीक्षण किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस राजेंद्रग्राम से अनूपपुर की ओर आ रही थी। बस में करीब 14 से 15 यात्री सवार थे। वहीं, पिकअप वाहन जबलपुर से पार्सल लेकर निकला था। उमरिया, शहडोल, बुढार और अनूपपुर में सामान बांटने के बाद पिकअप राजेंद्रग्राम होते हुए डिंडोरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान छिरियाटोला गांव के पास मोड़ पर दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। पिकअप चालक के अनुसार, मोड़ पर पिकअप सड़क की ओर था, तभी सामने से आ रही बस ने उसके साइड में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप सड़क किनारे लगी रेलिंग से जा सटा। चालक ने बताया कि वह वाहन में अकेला था और उसे चोट नहीं आई। हादसे के बाद दोनों वाहनों को पुलिस ने थाना परिसर में खड़ा कराया। हादसे में अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 5 निवासी परमानंद नायक (70), राजेंद्रग्राम के पकरिटोला निवासी कमला चौधरी (55) और उमरिया जिले के नौरोजाबाद निवासी फैज मोहम्मद (33) घायल हुए। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों को सामान्य चोटें आई हैं। कमला चौधरी की कलाई और फैज मोहम्मद के हाथ में चोट होने के कारण एक्स-रे जांच लिखी गई। प्राथमिक उपचार के बाद परमानंद नायक को छुट्टी दे दी गई, जबकि कमला चौधरी और फैज मोहम्मद की जांच की गई। घायल कमला चौधरी ने आरोप लगाया कि बस चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। उनके मुताबिक, चालक खुद को पुराना, वरिष्ठ और अनुभवी बता रहा था। कुछ ही देर बाद सामने से आ रही पिकअप से बस की टक्कर हो गई। कमला उमरिया जिले के पाली नगर परिषद क्षेत्र में अपनी बेटी के घर जा रही थीं। उन्हें दामाद के यहां आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होना था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी भी जिला अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली। कोतवाली थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा गया था। दोनों वाहनों को थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। संबंधित पक्षों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सात साल से अधिक समय से छात्रावास अधीक्षकों का कब्जा, शासन के आदेशों को ठेंगा!

कार्यमुक्ति के निर्देश बेअसर, कलेक्टर के आदेश भी नहीं करा सके अमल





सहायक आयुक्त की प्रक्रिया पर सवाल, आखिर किसके संरक्षण में चल रही मनमानी?

अनूपपुर। जिले के सरकारी छात्रावासों, आश्रमों और आवासीय परिसर विद्यालयों में अधीक्षक के पद पर वर्षों से जमे शिक्षकों की तैनाती अब विभागीय व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। शासन के निर्देश हैं कि निर्धारित अवधि पूरी कर चुके शिक्षकों को उनके मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में वापस भेजा जाए, ताकि वे शिक्षण कार्य में अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। इसके बावजूद अनूपपुर जिले में कोतमा, जैतहरी, अनूपपुर और पुष्पराजगढ़ विकासखंडों में लंबे समय से अधीक्षक का दायित्व संभाल रहे शिक्षकों की कार्यमुक्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। आरोप हैं कि सात साल से अधिक समय से एक ही व्यवस्था में जमे शिक्षकों को हटाने के लिए आदेश तो जारी हुए, लेकिन जमीन पर उनका असर दिखाई नहीं दिया। यदि शासन के निर्देश, जिला कलेक्टर के पूर्व आदेश और विभागीय स्तर पर अपनाई गई प्रक्रिया के बाद भी कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर फाइलें कहां अटकी हैं और जवाबदेही किसकी है?

तीन से पांच साल की सीमा तय, फिर सात-सात साल से तैनाती क्यों?

आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में छात्रावासों, आश्रमों और आवासीय परिसर विद्यालयों में न्यूनतम तीन वर्ष एवं अधिकतम पांच वर्ष से पदस्थ शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजने के निर्देश दिए गए हैं। शासन की मंशा स्पष्ट है कि शिक्षक लंबे समय तक गैर-शिक्षकीय जिम्मेदारियों में उलझे न रहें और विद्यालयों में नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो। लेकिन जिले में निर्धारित अवधि से अधिक समय तक अधीक्षक के पद पर तैनात शिक्षकों की स्थिति को लेकर विभाग की ओर से अब तक स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। सवाल यह है कि जब पदस्थापना की अधिकतम अवधि निर्धारित है, तो उसका पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या जिले में अधीक्षकों की पदस्थापना अवधि की नियमित समीक्षा की गई? यदि सात साल या उससे अधिक समय से शिक्षक इन पदों पर बने हुए हैं, तो उन्हें समय रहते मूल विद्यालयों में वापस भेजने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई? विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि निर्धारित अवधि से अधिक तैनाती किन परिस्थितियों में जारी रही और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों ने क्या कदम उठाए।

लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश भी बेअसर?

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा भी गैर-शिक्षकीय कार्यों में लगाए गए शिक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त कर उनके मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में भेजने के निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में यह चिंता जताई गई है कि शिक्षकों को गैर-शिक्षकीय कामों में लगाए जाने से विद्यालयों का शैक्षणिक कार्य प्रभावित होता है। साथ ही भविष्य में भी शिक्षकों को ऐसे कार्यों में नहीं लगाने और निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके बावजूद यदि जिले में शिक्षक लंबे समय से छात्रावास अधीक्षक का दायित्व संभाल रहे हैं, तो विभागीय आदेशों की निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है। आदेश जारी करना शासन और विभाग का प्रशासनिक दायित्व है, लेकिन उनका पालन कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि आदेशों के बाद भी पुरानी व्यवस्था कायम है, तो केवल नए निर्देश जारी करने से समस्या का समाधान कैसे होगा?

कलेक्टर का आदेश भी लागू नहीं हुआ तो फिर किसकी चलेगी?

इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू जिला कलेक्टर के पूर्व निर्देश हैं। बताया जाता है कि गैर-शिक्षकीय कार्यों में संलग्न शिक्षकों और छात्रावास अधीक्षक के पद पर तैनात शिक्षकों को वापस विद्यालयों में भेजने के निर्देश पहले भी जारी किए गए थे। इसके बाद छात्रावासों में अधीक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए सहायक आयुक्त स्तर से आवेदन आमंत्रित किए जाने की प्रक्रिया भी अपनाई गई थी। लेकिन यदि यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी शिक्षकों की कार्यमुक्ति नहीं हो सकी है, तो इसकी वजह बताने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की है। क्या पात्र आवेदकों की कमी है? क्या चयन और पदस्थापना का निर्णय लंबित है? क्या प्रशासनिक स्तर पर कोई बाधा है? या फिर आदेशों के क्रियान्वयन में गंभीर ढिलाई बरती जा रही है? इन सवालों का जवाब बिना किसी अस्पष्टता के सामने आना चाहिए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद यदि विभागीय स्तर पर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि संबंधित अधिकारियों ने प्रगति की समीक्षा कब की और विलंब के कारणों की रिपोर्ट किस स्तर पर प्रस्तुत की गई। आखिर एक प्रशासनिक आदेश को लागू कराने में इतनी देरी क्यों हो रही है?

आवेदन मंगाए, लेकिन व्यवस्था नहीं बदली तो प्रक्रिया का औचित्य क्या?

छात्रावास अधीक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आवेदन आमंत्रित करने का उद्देश्य यदि शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक दायित्वों में वापस भेजना था, तो अब तक की प्रक्रिया का परिणाम सामने आना चाहिए। कितने आवेदन प्राप्त हुए, कितने आवेदक पात्र पाए गए, कितने छात्रावासों में नई व्यवस्था की गई और कितने शिक्षकों को कार्यमुक्त किया गयाकृइन बिंदुओं पर विभाग की चुप्पी संदेह और सवालों को बढ़ाती है। यदि प्रक्रिया किसी कारण से लंबित है, तो विभाग को उसकी वास्तविक वजह बतानी चाहिए। वहीं, यदि पात्र आवेदक उपलब्ध हैं और इसके बाद भी कार्यमुक्ति नहीं हो रही है, तो निर्णय में देरी की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर प्रक्रिया शुरू करना, लेकिन उसका अंतिम परिणाम सामने नहीं लाना, प्रशासनिक कार्यप्रणाली की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग को कोतमा, जैतहरी, अनूपपुर तथा पुष्पराजगढ़ विकासखंडों के सभी संबंधित छात्रावासों और आश्रमों की पदस्थापना अवधि की समीक्षा कर स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। साथ ही कलेक्टर के पूर्व आदेशों के पालन, सहायक आयुक्त स्तर पर हुई प्रक्रिया और अब तक की कार्रवाई का विवरण भी सामने लाना चाहिए। अब सवाल यह नहीं कि आदेश जारी हुए या नहीं, सवाल यह है कि उनका पालन क्यों नहीं हुआ। यदि शासन ने तीन से पांच साल की अवधि निर्धारित की है, तो सात साल से अधिक समय तक तैनाती की स्थिति कैसे बनी रही? यदि कलेक्टर के निर्देश दिए गए थे, तो उनके क्रियान्वयन की समीक्षा किसने की? और यदि विभागीय प्रक्रिया शुरू हुई थी, तो उसे अंजाम तक पहुंचाने में देरी क्यों हुई? इन सवालों पर स्पष्ट जवाब और समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। अन्यथा शासन के निर्देशों और प्रशासनिक आदेशों की प्रभावशीलता पर सवाल उठते रहेंगे।

चक्रवाती तूफान का अनूपपुर में असर, अमरकंटक में 24 घंटे की बारिश से जनजीवन प्रभावित

अनूपपुर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से अनूपपुर जिले में मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले दो दिनों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में बुधवार शाम से लगातार हुई तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। गुरुवार को भी बारिश का दौर जारी रहने से तापमान में गिरावट के साथ वातावरण में ठंडक बढ़ गई। मौसम के इस बदलाव का असर आम लोगों की दिनचर्या के साथ मजदूरों की रोजी-रोटी, पर्यटन और स्थानीय व्यापार पर भी दिखाई देने लगा है। जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर मंगलवार की दोपहर से ही आसमान में काले बादल छाने लगे थे। इसके बाद 28 अक्टूबर बुधवार की शाम करीब चार बजे से अमरकंटक में बारिश शुरू हुई, जो रुक-रुककर लगातार जारी रही। कभी तेज तो कभी मध्यम गति से हुई बारिश के कारण लोगों को दैनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ा। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बादलों का डेरा रहा और कहीं हल्की बूंदाबांदी तो कहीं रुक-रुककर वर्षा होती रही। मां नर्मदा के उद्गम स्थल और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध अमरकंटक में मौसम का असर जिले के दूसरे क्षेत्रों की तुलना में अधिक दिखाई दिया। लगातार बारिश और ठंडी हवाओं के कारण यहां ठंडक बढ़ गई। बादलों से ढकी वादियों के बीच बारिश ने स्थानीय लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी। आवश्यक काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। बारिश के कारण रास्तों पर फिसलन की स्थिति बनने से आवागमन के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत है।



लगातार बारिश का असर दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिकों पर भी पड़ा है। पुरुष और महिला श्रमिकों के काम पर नहीं जा पाने से उनकी रोजाना की आमदनी प्रभावित हुई। रोज कमाकर परिवार का खर्च चलाने वाले लोगों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। बारिश के कारण खुले स्थानों पर होने वाले कामकाज में भी बाधा आ रही है। अमरकंटक में बारिश और ठंडक के चलते पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की आवाजाही में कमी महसूस की गई। नर्मदा उद्गम मंदिर के आसपास कुछ दुकानें बंद रहने से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। पर्यटन पर निर्भर दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी मौसम की मार झेलनी पड़ रही है। मौसम में आए बदलाव के बीच बारिश और गरज-चमक की संभावना को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। खासकर पहाड़ी और फिसलन वाले रास्तों पर आवागमन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। लगातार बारिश से प्रभावित दैनिक गतिविधियों के बीच अब लोगों की नजर मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई है।